This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121303406**
Title of the Paper	**:**	**आपस्तबधर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र का इतिहास** **Āpastambadharmasūtra & History of Dharmaśāstra**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	**:**	**OEC**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए : **7x4=28**

Explain the following Sutras :

i. तेषामभ्यागमनं भोजनं विवाहमिति च वर्जयेत्तेषामिच्छतां प्रायश्चित्तम् यथा प्रथमेऽतिक्रम ऋतुरेवं संवत्सरः अथोपनयनम् ,तत उदकोपस्पर्शनम्।

अथवा/OR

अनूत्थाय तिष्टन्ताम् गच्छन्तमनुगच्छेद्धावन्तमनुधावेत् न सोपानद्वेष्टितशिरा
अवहितपाणिर्वासीदेदध्वापन्नस्तु कर्मयुक्तो वाऽऽसीदेन्न चेदुपसीदेत्
देवमिवाचार्यमुपासीताऽविकथयन्नविमना वाचं शुश्रूषमाणोऽस्य अनुपस्थकृतः।

ii. स्त्रीभिर्यावदर्थसम्भाषी मृदुः शान्तः दान्तः ह्रीमान् दृढधृतिः अग्लाँस्नुः अक्रोधनः अनसूयुः।

अथवा/OR

विद्वानेवोपनेताऽभिगम्यत इति विधातुमविदुषो निन्दामाह- तमसो वा एष तमः प्रविशति यमविद्वानुपनयते यश्चाऽविद्वानिति हि ब्रह्मणम्।

iii. छन्दः कल्पो व्याकरणं ज्योतिषं निरुक्तं शीक्षाच्छन्दोविचितिरिति। शब्दार्थारम्भणानां तु कर्मणां समाम्नायसमाप्तौ वेदशब्दस्तत्र सङ्ख्या विप्रतिशिद्धा। अङ्गानां तु प्रधानैरव्यपदेश इति न्यायवित्समयः।

अथवा/OR

आर्याः प्रयता वैश्वदेवेऽन्नसंस्कर्तारः स्युः,भाषां कासां क्षवधुमित्यभिमुखोऽन्नं वर्जयेत् केशानङ्गं वासश्चाऽऽलभ्याऽप उपस्पृशेदार्याधिष्टिता वा शूद्रास्संस्कर्तारः स्युः।

iv. स्वधर्मयुक्तं कुकुम्बिनमभ्यागच्छति धर्मपुरस्कारो नाऽन्यप्रयोजनः सोऽतिथिर्भवति, तस्य पूजायां शान्तिः स्वर्गश्च। तमभिमुखोऽभ्यागम्य यथावयस्समत्य तस्यासनमाहारयेत्।

अथवा/OR

यथा चण्डालोपस्पर्शने सम्भाषाया दर्शने च दोषस्तत्र प्रायश्चित्तमवगाहनमपामुपस्पर्शने, सम्भाषायां ब्राह्मणसम्भाषा, दर्शने ज्योतिषां दर्शनम्।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिए, जिसमें किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में लिखिए : **5+5+5+7=22**

Write short notes on ***any four*** of the following and **One** Must be in **Sanskrit:**

i. रघुनन्दन (Raghunandan) **अथवा/OR** श्राद्धकर्म (Sradhakarma)

ii. मेधातिथि (medhatithi) **अथवा/OR** मित्रमिश्र (Mitra Mishra)

iii. रजधर्म (Raja Dharma) **अथवा/OR** धर्मरत्न (Dharma Ratna)

iv. माधवाचार्य (Madhavaacarya) **अथवा/OR** कौटिल्य (Koutilya)

3. धर्मशास्त्र के अनुसार स्त्रियों की स्थिति, अधिकार एवं कर्तव्यों की विस्तृत विवेचन कीजिए। **10**

Describe the Position of Women, rights and duties according to Dharmashastras Texts.

अथवा/OR

गौतम अथवा विज्ञानेश्वर का परिचय देते हुए उनकी कृतियों का वर्णन कीजिए।

Introducing Goutama or Vijnaneshwara, describe his contribution to Dharmashastra.

4. आपस्तम्बधर्मसूत्र के अनुसार, संस्कारों का वर्णन करते हुए "उपनयन संस्कार" का वर्णन कीजिए। **10**

Elucidate the asrama-system according to 'Apastambadharmasutra'.

अथवा/OR

आपस्तम्बधर्मसूत्र के अनुसार, पाणिग्रहण के बाद दम्पत्यों का गृहस्थाश्रम के कर्मो का संपादन कीजिए।

Describe the rituals of Grihasthashram by the couple after marriage according to Apastambadharmasutra.